काव्यांग एजुकेशन
(A Unique Hindi Institute of Complete Hindi Solution)
मानव शर्मा
(हिन्दी व्याकरण व साहित्य विशेषज्ञ)
9636713733
GET IT ON Google Play

हिन्दी साहित्य में प्रथम.....

हिन्दी में प्रथम रिपोर्ताज/रेखाचित्र का सूत्रपात कर्ता –''लक्ष्मीपुरा'' शिवदान सिंह चौहान कृत

एकांकी – एक घूंट –जयशंकर प्रसाद /बादलों की मुत्यु – रामकुमार वर्मा

नाटक – ''नहुष''–गिरधर दास उर्फ गोपाल चंद्र

खड़ी बोली का प्रथम नाटक – शकुन्तला (राजा लक्ष्मण सिंह)

निबंध – राजा भोज का सपना – शिवप्रसाद ''सिंतारेहिन्द''

रेखाचित्र – पद्म पराग – पदमसिंह शर्मा कृत– हिन्दी रेखाचित्र का जनक

प्रथम हिंदी साप्ताहिक पत्र – उदण्ड मार्तण्ड –' पं. जुगलकिशोर शुक्ल द्वारा 30 मई 1826ई. को कलकत्ता से

हिन्दी भाषी क्षेत्र का प्रथम समाचार पत्र – ''बनारस अखबार'' काशी से , 1854 से,

सम्पादक– सितारेहिन्द,गोविन्द रघुनाथ

भारत का पहला समाचार पत्र – ''बंगाल गजट'' अंग्रेजी में प्रकाशित

भारत का पहला समाचार पत्र – ''भारत तिलक'' हिन्दी में प्रकाशित – मद्रास से

भारत का प्रथम सुसंगठित हिन्दी दैनिक पत्र–''भारत मित्र''कलकत्ता से,लक्ष्मीनारायण गर्दे द्वारा

आत्मकथा – अर्द्धकथानक – बनारसी जैन कृत

खडी बोली का प्रथम कवि – अमीर खुसरो

जीवनी – ''दयानंद दिग्विजय'' – गोपाल शर्मा

रेखाचित्र संग्रह – पदम पराग

प्रथम आंचलिक उपन्यास – ''मैला आंचल'' फनीश्वर नाथ रेणु (सर्वमान्य)

देहाती दुनिया 1926 ई. '' –शिवपूजन सहाय

MANAV SHARMA

हिन्दी का प्रथम कवि – सरहपाद , 769 ई. – दोहा चौपाई का जनक

हिन्दी की प्रथम कृति – श्रावकाचार 933 ई. ,देवसेन आचार्य कृत

हिन्दी साहित्य का प्रथम महाकाव्य – पृथ्वीराज रासो, चंदबरदाई कृत

प्रथम उपन्यास – परीक्षा गुरू, लाला श्रीनिवास कृत

यात्रा संस्मरण – लंदन यात्रा, (श्रीमति हरदेवी कृत)

मौलिक कहानी – इंदुमती, किशोरी लाल गोस्वामी कृत

गद्य काव्य की प्रथम रचना – साधना ,रामकृष्ण दासकृत

प्रथम पत्रिका– संवाद कौमुदी

सतसई परम्परा का प्रारंभ – तुलसी सतसई / हिततरंगिणी –कृपाराम से

खडी बोली का प्रथम महाकाव्य – धनराव शहर

आधुनिक काल में रचित खडी बोली का प्रथम महाकाव्य – प्रियप्रवास , हरिऔध कृत– 1914 ई.

छायावाद का उपनिषद् / गौरव ग्रंथ – कामायनी, जयशंकर प्रसाद 1935 ई.

प्रथम इतिहास ग्रंथ – इस्त्वार द ला लित्रेत्युर एन्दुई हिन्दुस्तानी –गार्सा द तासी ,फ्रेंच भाषा

प्रथम इतिहास ग्रंथ – शिवसिंह सरोज– शिवसिंह सैंगर, हिन्दी भाषा में

काल विभाजन एवं नामकरण का प्रथम प्रयास/असफल प्रयास – जार्ज ग्रियर्सन द्वारा (प्रथम सफल प्रयास–मिश्रबन्धु)

हिन्दी साहित्य के लिये प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार – चिदंबरा, सुमित्रानंदन पंत 1968

प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार – हिमतरंगिणी – माखन लाल चतुर्वेदी – 1955

प्रथम भारत भारती सम्मान (U.P से मिलता है)– महादेवी वर्मा – 1982 ई.

एम.ए. का सर्व प्रथम शिक्षण शुरू – काशी विश्व विद्यालय

हिन्दी साहित्य से प्रथम पी.एच.डी. – विमल कुमार जैन ,दिल्ली विश्वविद्यालय

हिन्दी साहित्य परिषद् के प्रथम अध्यक्ष – पुरूषोत्तम दास टंडन

अबहट्ट भाषा का प्रथम प्रयोग – कीर्तिलता, विद्यापति

मुकरियॉ,पहेलियों का जनक – अमीर खुसरो

खडी बोली गद्य के प्रथम रचनाकार – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

हिन्दी की आदि कवयित्री – भक्तिमति मीरा

MANAV SHARMA

महिला रहित तारसप्तक – प्रथम तारसप्तक 1943 ई.

तारसप्तक की प्रथम महिला – शकुन्तला वर्मा ,द्वितीय तारसप्तक 1951 ई.

तारसप्तक प्रवर्तक / प्रयोगवाद का जनक /नयी कविता का नामदाता – अज्ञेय

प्रयोगवाद शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी

छायावाद शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग – मुकुटधर पाण्डेय ,स्वच्छन्दतावाद शब्द का प्रथम प्रयोगकर्ता

भक्ति शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग – श्वेताश्वेतर उपनिषद्

भक्ति के प्रवर्तक – रामानुज

हिन्दी का प्रथम गीतिनाट्य – करूणालय ,जयशंकर प्रसाद कृत

अपभ्रंश का प्रथम महाकवि/वाल्मिकी/कालिदास/आदिकवि – स्वयंभू

अपभ्रंश का व्यास /भवभूति– पुष्पदंत/पुष्य–

अभिमान मेरू –आचार्य मेरूतुंग

अपभ्रंश के वैयाकरण – हेमचंद्र

हिन्दी का प्रथम महाकाव्य / प्रथम वक्रोक्ति कथानक महाकाव्य – पद्मावत ,जायसी कृत

हिन्दी की प्रथम लघुपत्रिका – नये पत्ते, लक्ष्मीकांत

अग्निगर्भा है – माखन लाल चतुर्वेदी,दिनकर, सुभद्रा कुमारी चौहान की वाणी

हिन्दी का प्रथम हास्य व्यंग्य प्रधान पत्र – मतवाला

देवनागरी लिपी का कचहरियों में सर्वप्रथम प्रयोग – 1898 ई. से

हिन्दी का प्रथम सर्वश्रेष्ठ दैनिक समाचार – ''आज'' 1920 ई. बनारस से प्रकाशित

छायावाद का प्रथम व चर्चित उपन्यासकार – ईश्वरी प्रसाद शर्मा

खडी बोली की प्रथम गद्य रचना – चंद छंद बरनन की महिमा ,गंग कवि

रीती काव्य का प्रथम ग्रंथ – हिततरंगिनी, कृपाराम कृत

आधुनिक हिन्दी का प्रथम अभिनीत नाटक – जानकी मंगल , शीतला प्रसाद त्रिपाठी कृत (स्वयं भारतेन्दु ने अभिनय किया)

छायावाद की प्रथम कृति – झरना – जयशंकर प्रसाद/छायावाद का प्रवर्तक

हिन्दी काव्य में गीत लेखन परम्परा– विद्यापति

सूफी प्रेमाख्यानक का प्रथम काव्य – चंदायन, मुल्ला दाउद कृत,1379ई.

MANAV SHARMA

प्रथम हिन्दी साहित्यिक सम्मेलन – इन्दौर ,1918 में गॉधी जी की अध्यक्षता में

हिन्दी आलोचना का जनक – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

विश्व हिन्दी सम्मेलन :–

प्रथम – नागपुर – 1975 ई इन्दिरा गांधी द्वारा उद्घाटन.

द्वितीय – मॉरिशस – 1976 ई. ,

तृतीय – नई दिल्ली – 1983 ई.

चतुर्थ – मॉरिशस – 1993 ई. ,

पंचम – त्रिनीदाद एवं टोवेगो – 1996 ई.,

षष्ठम् – लंदन ,यू.के – 1999 ई.

सप्तम् – सूरीनाम – 2003 ई.

अष्टम् – अमेरिका,न्यूयार्क – 2007 ई.

नवम् –जोहान्सवर्ग – 2012में, 22–24सित.

दशम् –10–12 सिमम्बर, 2015 भोपाल मे ।

साक्षात्कार विद्या का जनक – बनारसीदास चतुर्वेदी

सर्वश्रेष्ठ आत्मकथा – क्या भूलूं क्या याद करूं –1968 ई. में – हरिवंशराय बच्चन कृत

पहली गद्य आत्मकथा – एक कहानी : कुछ आप बीती,कुछ जग बीती

आधुनिक हिन्दी में प्रथम आत्मकथा लेखक – डॉ. श्यामसुन्दर दास

राजस्थानी भाषा की लिपि – मुंडिया लिपि

हिन्दी आलोचना की प्रथम पुस्तक – कालिदास की आलोचना

हिन्दी आलोचना के प्रथम इतिहासकार – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

आंचलिक शब्द का प्रथम प्रयोग – फणीश्वर नाथ रेणु

हिन्दी निबंध का जनक – बाबू भारतेन्दु हरिश्चंद्र

हिन्दी निबंध का सम्राट – रामचंद्र शुक्ल (कलात्मक भाषा–शैली के निबंधो का जन्मदाता)

प्राचीनतम चम्पू काव्य (गद्य –पद्य मिश्रित रचना) – राउलवेल ,रोड़ा कवि कृत

सर्वश्रेष्ठ हास्य व्यंग्य निबंधकार – हरिशंकर परसाई

हिन्दी दिवस – 14 सित. – 1949 को राजभाषा प्राविधान पारित

हिन्दी प्रेमाख्यान परम्परा की प्रथम रचना – हंसावली 1370 ई. – असाइत कृत

हिन्दी में नख–शिख परम्परा का प्रारम्भ – रोड़ा कवि कृत ,राउल वेल से

हिन्दी के प्रथम ज्ञानी मुसलमान कवि – अर्ब्दुरहमान

हिन्दी में बारहमासा वर्णन पद्धति का जनक ग्रंथ – बीसलदेव रासो (शुरूआत– आषाढ़ मास से)

MANAV SHARMA

हिन्दी में षड्ऋतु वर्णन पद्धति का जनक ग्रंथ – संदेश रासक ,अर्ब्दुरहमान कृत

वीर रस प्रधान हिन्दी का प्रथम महाकाव्य – पृथ्वीराज रासो,चन्दरबरदाई

हिन्दी साहित्य में सोनेट/चतुष्पदी का जनक– त्रिलोचन

स्वछन्दतावाद का जनक– श्रीधर पाठक , श्लेगट द्वारा जर्मनी मे प्रथमाप्रथम

बाल– साहित्य का जनक– रामनरेश त्रिपाठी

हिन्दी का प्रथम व सर्वोत्कृष्ट खण्डकाव्य – पथिक , 1921 ई. में रामनरेश त्रिपाठी द्वारा रचित।

हिन्दी में तिलस्मी–ऐय्यारी उपन्यासों के जनक – देवकीनन्दन खत्री

हिन्दी में जासूसी उपन्यासों के जनक – गोपाल राम गहमरी

हिन्दी का प्रथम ऐतिहासिक उपन्यास – हृदय हारिणी (किशोरीलाल गोस्वामी कृत)

हिन्दी का प्रथम जीवन चरितात्मक उपन्यास – झॉसी की रानी (वृन्दावन लाल वर्मा)

हिन्दी का जॉनसन –अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

हिन्दी का स्टील/ मोन्टेन – बालकृष्ण भट्ट

हिन्दी का गोर्की – जेनेन्द्र

हिन्दी का एडीसन – प्रताप नारायण मिश्र

शुक्ल की पहली सैद्धान्तिक आलोचनात्मक कृति – काव्य मे रहस्यवाद

रस विवेचन को हिन्दी में पहला मनोवैज्ञानिक आधार प्रदान कर्ता – रामचन्द्र शुक्ल

हिन्दी मे साधारणीकरण के सम्बन्ध में पहला चित्रण – रामचन्द्र शुक्ल

हिन्दी में दोहा काव्य का प्रवर्तक – जोइन्दु

हिन्दी के प्रथम समान्तर कोश संपादक सम्पति – अरविन्द कुमार , कुसुम कुमार

हिन्दी में दोहा–चोपाई का सर्वप्रथम प्रयोग – सरहपा

प्रथम राज्यभाषा समिति के अध्यक्ष– गोविन्द वल्लभ पंत

परम्परा की दृष्टि से हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास ग्रंथ –हिन्दी साहित्य की भूमिका (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

हिन्दी साहित्य परिषद का प्रथम अध्यक्ष – पुरूषोत्तम दास टंडन

विश्व का प्रथम व्याकरण ग्रंथ – अष्टाध्यायी (पाणिनी) संस्कृत में रचित

MANAV SHARMA

हिन्दी का हिन्दी में प्रथम व्याकरण लिखने वाले वैयाकरण – पादरी एम0टी0आदम

(हिन्दी भाषा का व्याकरण , 1827 ई0)

हिन्दी का प्रथम व्याकरण लेखक –जोहन जोशुआ केटलर, अंग्रेजी कम्पनी राजदूत

(दा हिन्दुस्तानी ग्रामर , डच भाषा में)

हिन्दी का प्रथम भारतीय व्याकरण व लेखक –भाषा चन्द्रोदय , पं0 श्रीलाल ने 1855 में लिखा

हिन्दी का प्रथम प्रसिद्ध वैयाकरण – कामता प्रसाद गुरु (महावीर प्रसाद द्विवेदी के कहने पर 1921 ई. में हिन्दी व्याकरण लिखा, काशी की नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित)

हिन्दी का पाणिनी – पं. किशोरीदास वाजपेयी

(हिन्दी शब्दानुशासन , 1958 ,नागरी प्रचारिणी से प्रकाशित)

विश्व का प्रथम कोश – 'निरूक्त' (महर्षि याश्क ने 5 ई0 पू0 लिखा)

हिन्दी का प्रथम कोशकार – अमीर खुसरो (खलिक–ए–बारी , द्विभाषी कोश)

हिन्दी का प्रथम मौलिक शब्दकोश –हिन्दी शब्द सागर , शुक्ल कृत 1929

हिन्दी का प्रथम भाषा सर्वेक्षक–अमीर खुसरो

(द्वितीय – ग्रियर्सन , 'लिंग्वेस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया' 1894–1927पुस्तक,)

हिन्दी का प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय–महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,वर्धा ,महाराष्ट्र

खड़ी बोली का प्रथम गद्यग्रन्थ –गोरा–बादल (जयमल द्वारा) , 1623 ई0 ,

लोकभाषा के चितेरे कवि – केदारनाथ अग्रवाल

MANAV SHARMA